अध्याय XXI

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन तकनीकी संस्थान

मंत्रालय इस समय इस्पात उद्योग के प्रति समर्पित जन संसाधनों के विकास तथा औद्योगिक सेवाएं प्रदान करने वाले तकनीकी संस्थानों के कार्यकलापों का कार्य देख रहा है।

(1) राष्ट्रीय गौण इस्पात प्रौद्योगिकी संस्थान (निस्ट)

निस्ट 18 अगस्त 1947 को सोसायटी के रूप में निगमित किया गया था। इसका पंजीकृत कार्यालय चंडीगढ़ में है तथा इसके अध्यक्ष विकास आयुक्त लोहा और इस्पात हैं। इसके लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

- अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक पाठ्यक्रम आयोजित करके गौण क्षेत्र को प्रशिक्षित जनशक्ति उपलब्ध करना।
- सेमीनार, सिम्पोजिया, कार्यशाला तथा आन्तरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम जो गौण इस्पात क्षेत्र के लिए हों, का आयोजन करके स्टेट ऑफ टेक्नोलाजी के प्रति जागरुकता लाना।
- विभिन्न औद्योगिक सेवाएं एवं परीक्षण सुविधाएं देना।
- इस उद्योग से संबंधित परामर्शी सेवाएं देना ताकि प्रौद्योगिकी समस्याओं का निदान किया जा सके और ऊर्जा क्षमता एवं पर्यावरण प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।
- इस क्षेत्र को अद्यतन प्रौद्योगिकी सेवा देने के लिए अग्रिम क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास तथा उन्नयन कार्य करना।
- इस उद्योग के किए डाकुमेंटेशन एवं सूचना प्राप्ति की सेवाएं देना।
- उद्योग और शैक्षिक तथा अनुसंधान संस्थाओं के बीच परस्पर संबंध बनाने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना।

इस संस्थान के कार्यक्षेत्र में गौण क्षेत्र के निम्नलिखित कार्य आते हैं:-

- विद्युत चाप और प्रेरण इकाइयां
- लेडेल रिफाइनिंग सुविधा
- रोलिंग मिलें (तप्त एवं शीत)
- प्रत्यक्ष अपचयन इस्पात इकाइयां

जीटी रोड, मण्डी गोविंदगढ़, पंजाब में स्थिति छः एकड़ क्षेत्र में इस संस्थान का अपना निर्मित परिसर है। संस्थान में होस्टल सुविधाएं तथा स्टाफ क्वार्टर हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें प्रयोगशाला और पुस्तकालय भी है। इसके नागपुर और कोलकाता में दो क्षेत्रीय केंद्र भी हैं। अप्रैल 1977 में संस्थान का मुख्यालय दिल्ली से मण्डी गोविंदगढ़ स्थानान्तरित कर दिया गया।

संस्थान की देखरेख बोर्ड ऑफ गवर्नरों द्वारा की जाती है जिसमें उद्योग, शिक्षण संस्थानों, औद्योगिक एसोसिएशनों तथा इस्पात मंत्रालय के सदस्य हैं।

2003-04 के दौरान मानव संस्थान विकास और औद्योगिक सेवा कार्यक्रमों के अतिरिक्त इस संस्थान ने ई आर पी सामाधान भी गौण इस्पात क्षेत्र को प्रदान करने का कार्य आरंभ किया है।

2. बीजू पटनायक राष्ट्रीय स्टील इन्स्टीट्यूट, पुरी, उड़ीसा

बीजू पटनायक राष्ट्रीय स्टील इंस्टीट्यूट की स्थापना इस्पात मंत्रालय द्वारा 1 जनवरी, 2001 को की गई थी तथा संस्थान सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत है। इस समय यह पुरी के समुद्री तट रोड पर 3 एकड़ परिसर में स्थित है। यह उड़ीसा सरकार के पर्यटन विभाग के भवन में कार्यरत है। इस समय बी पी एन एस आई एक वर्ष का पूर्णकालिक एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम के निम्नलिखित क्षेत्रों में पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है :- (क) वैल्डिंग प्रौद्योगिकी, (ख) साफ्टवेयर विकास तथा कम्प्यूटर अनुरक्षण

बी पी एन एस आई को आत्मनिर्भर वित्त पोषित और उत्कृष्ट केंद्र बनाने के लिए इस्पात मंत्रालय ने परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए दिसम्बर 2002 में 2 सदस्यों से युक्त एक समिति नियुक्त की थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट फरवरी 2003 में प्रस्तुत कर दी थी और उसने सिफारिश की थी कि यह संस्थान उद्योग प्रेरित संस्थान होना चाहिए तथा यह गौण इस्पात क्षेत्र के मध्यम एवं छोटे उद्यमियों को प्रशिक्षित जनशक्ति के विकास के लिए पाठ्यक्रमों की व्यवस्था करे। यह ऊर्जा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास तथा प्रदर्शन कार्य करे तथा गौण इस्पात क्षेत्र को ऐसी तकनीकी सहायता प्रदान करे जिसके लिए अभी कोई संस्थानात्मक सहायता उपलब्ध नहीं है।

संस्थान का निकट भविष्य में अपने विस्तार कार्यक्रम में निम्नलिखित केंद्र खोलने का प्रस्ताव है,

- एडवांस वैल्डिंग और स्टेनलैस स्टील फैबरीकेशन
- हीट ट्रीटमेंट और मैटलर्जी
- आटोमेशन एवं प्रोसेस कंट्रोल
- ऊर्जा प्रौद्योगिकी और अंतरण केंद्र (सेट)

इस परियोजना को 20.36 करोड़ रुपए के परिव्यय से केंद्र सरकार ने फरवरी 2004 में अनुमोदित किया। यह भी परिकल्पना की गई कि उक्त राशि जे पी सी निधि से निर्मुक्त की जाए।

वर्ष के दौरान किए गए मुख्य कार्यकलाप निम्नलिखित हैं:-

1. संस्थान के भवन के निर्माण के लिए मौजा चेतना (पुरी) में 22.4 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया है जो पुरी शहर से 13 किलोमीटर दूर है और पुरी-कोणार्क समुद्र ड्राइव रोड पर स्थित है। सम्पूर्ण भूमि की चार दीवारी का कार्य लगभग पूरा हो गया है।

2. सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत पंजीकृत कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी डिजाइन, भुवनेश्वर जिसे आरंभ में उड़ीसा सरकार ने उड़ीसा के प्रौद्योगिकी, डिजाइन और आर एंड डी कार्यों के लिए स्थापित किया था, ने बी पी एन एस आई के अनुसंधान एवं विकास कार्यों को संयुक्त रूप से करने के लिए हाथ बढ़ाया है। भुवनेश्वर में विद्यमान भवन में उपरोक्त कार्यकलापों के निष्पादन के लिए लगभग 2500 वर्ग फुट क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा जिस पर बी पी एन एस आई की कोई वित्तीय देयता नहीं होगी।

3. मैसर्स मेसीडोन इंडो अस्ट्रेलियन वेन्चर (प्रा.) लि. टिटलागढ़ (उड़ीसा) ने अपनी इकाई जो एक लघु इस्पात संयंत्र है, को बी पी एन एस आई को ऐसे आर एंड डी कार्यकलापों के लिए डमो संयंत्र के रूप में उपयोग करने के लिए देने की पेशकश की है जिससे इस्पात क्षेत्र में एस एम ई से संबंधित नई प्रौद्योगिकी का विकास हो सके।

4. बी पी एन एस आई ने 8-9 अप्रैल 2004 तक स्टैनलेस स्टील फैबरीकेशन पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया था जिसमें देश के सभी भागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इससे इस संस्थान को विभिन्न उद्योगों से सीधे संबंध स्थापित करने में सहायता मिली है जिससे वह अपने व्यवसायिक कार्यों को निष्पादित करने में सक्षम होगा ।

5. संस्थान इस समय डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है और साफ्टवेयर विकास एवं कम्प्यूटर उपयोग के क्षेत्र में छात्रों को व्यवसायिक प्रशिक्षण दे रहा है। संस्थान में 6 संकाय सदस्य और ठेका आधार पर सहायक स्टाफ है।